M.J.C. (Paper-8), Semester-5 ①

Topic: Democracies Between the Wars:
(युद्धों के बीच लोकतंत्र – 1919 to 1945)

प्रस्तावना :—

World War First के बाद विश्व-राजनीति में लोकतंत्र के प्रसार की आशा जगी। अमेरिकी राष्ट्रपति Woodrow wilson के "आत्मनिर्णय के सिद्धांत ने यूरोप में नए राष्ट्र-राज्यों को जन्म दिया। परन्तु 1919-1945 का काल संकट, अस्थिरता और लोकतंत्रों के लिए संकट, अस्थिरता और अंततः अधिनायकवाद के उदय का काल सिद्ध हुआ।

पृष्ठभूमि: वर्साय संधि और नए राष्ट्र :—

Treaty of Versailles ने जर्मनी पर कठोर शर्तें लगाई। इसके परिणामस्वरूप :—

जर्मनी में अपमान और आर्थिक संकट।

ऑस्ट्रो-हंगेरियन और ऑटोमन साम्राज्य का विघटन।

पूर्वी यूरोप में नए लोकतांत्रिक राष्ट्र (पोलैंड, चेकोस्लोवाकिया आदि)

परन्तु ये लोकतंत्र कमजोर संस्थागत आधार और जातीय संघर्ष से ग्रस्त थे।

→ अंतर्युद्ध काल में लोकतंत्र की स्थिति :—

(A). पश्चिमी यूरोप :—

1. ब्रिटेन – संसदीय लोकतंत्र स्थिर रहा, परन्तु आर्थिक मंदी से प्रभावित।